

AD A135 518

A PROGRAM FOR DEVELOPING AUTOMATED
SCIENTIFIC INFORMATION PROCESSING IN M... (U) FOREIGN
TECHNOLOGY DIV WRIGHT-PATTERSON AFB OH
T CIUNDZIEWICKI ET AL. 17 NOV 83

1/1

UNCLASSIFIED

F/G 5/2

NI

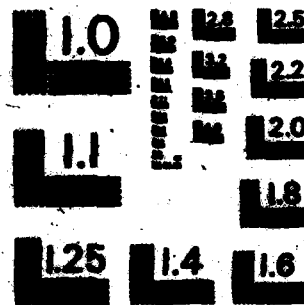
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

END

DATE

TIME

1/1



MICROCOPY RESOLUTION TEST CHART
NATIONAL BUREAU OF STANDARDS-1963-A

FOREIGN TECHNOLOGY DIVISION



A PROGRAM FOR DEVELOPING AUTOMATED SCIENTIFIC-INFORMATION
PROCESSING IN MARITIME ECONOMY

by

T. Ciundziewicki and T. Piotrowski



DTIC
ELECTE
S DEC 9 1983
A

DTIC FILE COPY

Approved for public release;
distribution unlimited.

AD-A185-578

EDITED TRANSLATION

FTD-ID(RS)T-1525-83

17 November 1983

MICROFICHE NR: FTD-83-C-001398

A PROGRAM FOR DEVELOPING AUTOMATED SCIENTIFIC-
INFORMATION PROCESSING IN MARITIME ECONOMY

By: T. Ciundziewicki and T. Piotrowski

English pages: 8

Source: Technika i Gospodarka Morska, Vol. 27,
Nr. 4(310), April 1977, pp. 205-206

Country of origin: Poland

Translated by: Victor Mesenseff

Requester: RCA

Approved for public release; distribution unlimited.

THIS TRANSLATION IS A REPRODUCTION OF THE ORIGINAL FOREIGN TEXT WITHOUT ANY ANALYTICAL OR EDITORIAL COMMENT. STATEMENTS OR THEORIES ADVOCATED OR IMPLIED ARE THOSE OF THE SOURCE AND DO NOT NECESSARILY REFLECT THE POSITION OR OPINION OF THE FOREIGN TECHNOLOGY DIVISION.

PREPARED BY:

TRANSLATION DIVISION
FOREIGN TECHNOLOGY DIVISION
WP-AFL, ONR.

GRAPHICS DISCLAIMER

All figures, graphics, tables, equations, etc. merged into this translation were extracted from the best quality copy available.



Accession For	
NTIS GRA&I	<input checked="checked" type="checkbox"/>
DTIC TAB	<input type="checkbox"/>
Unannounced	<input type="checkbox"/>
Justification	
By _____	
Distribution/	
Availability Codes	
Dist.	Avail and/or Special
A1	

**A PROGRAM FOR DEVELOPING AUTOMATED
SCIENTIFIC-INFORMATION PROCESSING
IN MARITIME ECONOMY**

**Dr. Tadeusz Ciundziewicki and
Tadeusz Piotrowski, MA.**

Advisability of Using Automated Information System

Daily experiences of the scientific, technical, and economic information centers of the Ministry of Foreign Trade and Maritime Economy (MHZiGM) make it possible to confirm the constantly growing number of informational queries and searches. Characteristic is the increasing specialization of subjects, more frequent limitations of the subject matter, as well as crossing and merging of various problems. This is due to the concerns' acquiring the newest technological methods and their increasing specialization. The phenomenon of increasing minuteness of detail of the queries indicates the tendency to grow. Their number and differentiation, limitation, as well as complication are increasing.

In view of this fact, searching had to be complicated. It turned out that methods used until now are not sufficient to meet the requirements of the information receivers. First of all, the volume of collections, which has to be reviewed every time in order to find the appropriate material, is increasing. For this reason the examination of the card file consisting of documentation cards is not sufficient. Quite often it becomes necessary to go directly to the periodicals, to rummage through the entire yearly publications. In addition to the many technical periodicals, poorly lists of subjects are added, quite often compiled in accordance to certain departments. This facilitates the searches somewhat, although only insignificantly.

When looking for information on detailed subjects, it is necessary to look through a large number of different sources because work written on very detailed subjects show up very rarely and it is very easy to miss it in a general review of publications. In the pursuit of the appropriate positions it is necessary to leaf through dozens of reference periodicals and publications. Almost each one of them has its own individual arrangement, which is changed quite frequently, which complicates searching and reduces the productivity of work considerably. Moreover, almost every periodical uses its own and completely distinct system of not only articles but also of indices and lists of topics.

At the same time, more and more the customer demands the answer to his question as fast as possible. In this situation, certain scientific, technical, and economic information centers at the concerns and institutes of the Ministry of Foreign Trade and Maritime Economy began to devise and use new methods of information service and retrieval of data. The first phase is characterized by starting the express-information type publication.

The next phase should be the automation of the information processes, i.e., the fastest possible processing, transmission, and retrieval of information by means of digital computers.

Automation of Scientific Information

The automation of the scientific, technical, and economical information in Maritime Economy is in the initial stage of development. Unfortunately, the existing appropriate information equipment (the computer and the periphery equipment at the Computer Science Center MEZIGM) are not being utilized for the needs of scientific information in maritime economy. On the other hand, the lack of reprographic (xerographic printers) and microreprographic (microfiche) equipment delays the fast acquisition of information by the users; here, in the automated system the reprography is one of the basic elements for the proper operation of the information system. The automation of information requires the education and training of workers on a large scale for the operation of the future automated information system. The staff of the information service is small and there is a lack of branch specialists in the information centers servicing the multidirectional research.

Also, the aspect of the information system is important in part.

time economy and requires fundamental changes.

On the other hand, the number of information sources (books, periodicals, trade literature, patent descriptions, etc.) in maritime economy is so extensive that their proper use can be realized only by employing the automated information system.

All the reasons cited make it possible to state that the gap existing between the rate of technical and economical development of our department and the information base is very great. Its elimination will require a considerable organizational effort and an increase in the number of workers in the information service and other undertakings.

Basic Requirements for the Development of an Automated Scientific Information.

A fundamental requirement in the creation of the information system for maritime economy (SIGM) is its automation and connection with the country's information system (SINT), in relation to which SIGM will be a subsystem.

Another requirement is the utilization of the previous achievement of the automated systems being used, as well as the utilization of the existing information-processing equipment in the administration of the MHZiGM. Thus, one should make use of the branch systems already in existence, for example, the fishing and fish processing subsystem developed by MIR [Maritime Institute of Fishing]. This subsystem is linked with the MRD [German Democratic Republic] and RWPG [Council for Mutual Economic Aid] systems, which establishes the foundation for the development of other branch systems on this basis.

The program for the realization of automated information in maritime economy must be based on the following assumptions:

- 1) The SIGM introduced will have as its goal the assurance of the most complete available information to those interested (for the purposes of research work and innovations, as well as normalization), as well as selective distribution of information with very high speed of its transmission;

- 2) All SIGM subsystems must ensure fast and free access to all information sources (domestic and foreign), taking into account all types of original and derivative documents that are of interest to the units of the maritime economy.

The SIGM must ensure the most complete and selective automation of

as well as current actualization of the domestic information sources (taking into account all valuable foreign sources).

4) SIGM will operate on the basis of cooperation with the appropriate thematically compatible foreign and international scientific, technical, and economic information systems. There must be a connection with the international scientific and technical information system of the RWPG countries, with the Unified International Scientific Information System (UNISIST) as well as with other international systems.

5) SIGM must make use of the existing systems and systems under development for use in the ship building and maintenance industry for the purposes of the maritime-economy organizational units.

The SIGM will be a retrieval system with the capabilities of working with the "on-line" system; a multiaccess system which takes into consideration the area of interests of the users by means of selective distribution of information. The retrieval of information will be achieved through conversation with the computer with the aid of the appropriate symbols (descriptors). The appropriately programmed computer makes the selection in accordance with the descriptors; then it is possible to have the readout of the retrieved text on a terminal and, after making sure it is an accurate selection, a chronological printout of the information. The retrieval and printout process takes a few minutes. The printout consists of bibliographical data and an abstract of a given information source (article, book, patent, etc.). In order to achieve an optimum effect, this system must operate together with the microfiche system based on microfiches ("Pentakta" system), which, at present, can make a very good, voluminous, and functional carrier of secondary information. Thus, in the course of normal operation of the SIGM system, a customer can obtain source information immediately, which could not be done on a national scale.

Stages of Development of the Automated Information System in Maritime Economy.

The organization of the automated information system SIGM requires the most expedient creation of facilities for the automated information systems in the branch centers of scientific, technical, and economic information. During the initial phase, the Branch Center of Scientific, Technical, and Economic Information of the Maritime Fishing Institute will be the leading unit within the entire department (until the

Maritime Information Center is created during the second phase), and this can be achieved because of the advances made in the following research works carried out on the automated information retrieval system:

- thesaurus "Maritime Fishing Economy" - systematic work concerning the building of thesaurus;

- automation of the information processes - Principles of the Information System for the Fishing Economy (SIGH); and

- forecasting the development of the information system in fishing economy of PRL [Polish Peoples' Republic] by the year 2000.

In the coming years we should create automated information facilities in the following institutions: Maritime Institute, Higher Marine Schools in Szczecin and Gdynia, Association of Sea Ports, Polish Ocean Lines, and Polish Shipping. In the remaining centers of maritime economy, these facilities should be created by 1980 if possible.

Concurrently with the creation of the automation information facilities in the individual maritime concerns and institutions, we must create a central section for coordinating these facilities, which would work on standardizing the methods, requirements, and information automation processes, at the same time, making a base for the future Maritime Information Center after 1980. Otherwise a series of difficulties can arise within the homogeneous SIGM.

"Output Information Bank" of maritime economy, containing a maximum of 200 thousand items and a minimum of 100 thousand items of information, should be organized by 1980.

After establishing contacts on the international and domestic scale, the amount of information will at least triple. The exchange of tapes is an obvious occurrence, for example, for the fishing branch within the framework of a Five-Point Fishing Agreement (materials from ZSR [Union of Socialist Republics] and DDR).

The capital expenditures connected with the realization of the first stage in the automation of scientific, technical, and economic information for maritime economy are estimated at 10 million zloty.

The fundamental task of the second stage (after 1980) should be the creation of the Maritime Information Center (CIN), which would have at its disposal the appropriate technical means, staff, and organization for realizing all the functions necessary for the computer solution of problems ranging from the automated information processing to the

problems in the maritime area.

The functions of this center are the following:

- designing of the system,
- programming; and
- preparation of the computer carriers of information and processing.

In order to realize these functions the CIM must have the properly trained staff, as well as high-quality technology at its disposal.

The introduction of an automated system - as shown by practice - takes several years. After this it is advisable to quickly set up the training of personnel for the SIGM. During the first stage it would be advisable to train the basal cadre at the Computer Science Center of the MHZiGM in Gdynia, as well as through the ZETO courses or other courses of correspondingly high level. In this case, it is necessary to take into account the fact that these must be, first of all, the scientific information workers trained in the direction of computer science and not the other way around, which could result in damage to the entire enterprise (sic). It might be worth while to think about training in the selected scientific-information centers in USSR and DDR.

A need arises to employ a larger number of skilled personnel in the development of SIGM. Thus, it has been proposed to incorporate these needs in the departmental plan for the period prior to 1980.

Computers will comprise the basic equipment of CIM, devices for the preparation of data and eventual devices for the teletransmission of data. The proper designing of the equipment for the center must be based on the designs of the information systems intended for operation, especially on the properly developed information balances. It has been decided that the basic data-processing equipment for SIGM will be computer Odra-1305 together with the peripheral equipment, which makes up the equipment of the Computer Science Center of the MHZiGM in Gdynia, and "Pentakta" system (DDR). With respect to the technological concept, the microfilm unit "Pentakta" was designed for the present and future requirements relative to the modern unified data-processing systems with a different order of magnitude and variable functional specificity. It comprises a homogeneous equipment series, in which individual units can be combined and built-up on the basis of modular design. The microfilm technology "Pentakta" isolates the devices and equipment for the

preparation and use of microfiche in the form of cut microfilms.

The advantages of the microfiche technology "Pentakta" are the following:

- 1) the possibility of handling an increasing input of information and documentation; 10 million pages 210x297 mm in size (A4) require a surface area of about 150 m² when stored in the traditional type of archives, whereas with a micro technique this information can be stored on 170 thousand microfiche in 5 card-file drawers;
- 2) the economy of space is 95%;
- 3) economy of the organizational and equipment centers;
- 4) high level of accumulation;
- 5) fast fixing of information, which is accurate in detail, from the most diverse records on a homogeneous carrier of information;
- 6) information transmission rate is faster and sending is easier, the waiting time is shortened considerably therefore the timeliness of the information also increases;
- 7) paper originals, whose availability is limited, are accessible to everyone in the form of microfiche copies;
- 8) accurate and extensively developed information search by means of direct and random selection in shortest time possible;
- 9) more secure protection from the possibility of loss, damage, falsification, etc. through storing of microfiche in secure archives.

Setting up the information-processing system for the maritime economy requires expenditures for:

- 1) additional peripheral data-processing equipment (within the framework of the subsector system of the Computer Science Center of the USSR) -- on the order of 2 million slots;

- 2) equipment of the "Pentakta" system -- 2 million slots for one year;

3) additional personnel, office machines, micro-

film processing equipment, etc.

4) additional personnel, office machines, micro-

Benefits From the Use of Automated Information

The introduction of the automated SIGM system will lead to the following:

- 1) reduction in capital expenditures for the subscriptions for foreign periodicals by 25% on the average;
- 2) reduction in unit cost of information through in-country and foreign exchange of standard information carriers (tapes, disks, etc.);
- 3) savings in paper through the elimination of special branch publications processed through the information centers of the maritime economy (savings of about 50%);
- 4) savings and better use of time of the information users, and especially research scientists;
- 5) increase in speed and in the degree of completeness of retrieval of the source material;
- 6) increase in concentration and a more efficient use of personnel and data-processing equipment; and
- 7) the capability to relay the scientific, technical, and economic information over long distances by means of data-transmission.